

घृणा झगड़े को भड़काती है, परन्तु प्रेम सब अपराधों को ढांप देता है (नीतिवचन 10:12)
एक कहावत की कहानीटेड हिल्डेब्रांट और चैटगृट द्वारा

धूप से तपते गांव के बीच में, दो परिवार पीढ़ियों से झगड़ते आ रहे थे। किसी को ठीक से याद नहीं था कि यह सब कैसे शुरू हुआ - एक विवादित बकरी, एक टूटी हुई बाड़, शायद कोई लापरवाही भरा शब्द जो अनसुना कर दिया गया और गलत याद आ गया। कारण जो भी हो, गेल और मोरन संदेह और बदले की भावना में डूबे रहते थे। उनकी आपसी नफरत ने दोनों परिवारों के बीच लगातार कलह को जन्म दिया। बाड़ें काट दी गईं, फसलें रौंद दी गईं, और हर गांव की सभा में तीखी निगाहें और कठोर शब्द तीर की तरह उड़ते थे।

इस शांत युद्ध के बीच में युवा एली गेल और मीरा मोरन रहते थे। वे चेतावनियों के साथ बड़े हुए थे - "मोरन पर भरोसा मत करो", एली के पिता कहते थे, और मीरा की माँ फुसफुसाती थी, "गेल की मुस्कान में खंजर छिपा होता है।" लेकिन जीवन, पुरानी शिकायतों के प्रति उदासीन, उन्हें एक साथ फेंकता रहा: बाजार में, नदी के किनारे, विस्तृत, अंतहीन आकाश के नीचे। पहले तो, वे अपने बड़ों से विरासत में मिले अपमानों का आदान-प्रदान करते हुए, भौंहें सिकोड़ते और बुदबुदाते थे।

फिर भी समय के साथ, वे तीखेपन नरम पड़ गए। एक शरारती बकरी पर एक साझा हंसी। एक ठोकर लगने पर एक हाथ बढ़ाया। उनके बीच कुछ बढ़ने लगा - कुछ कोमल और जिद्दी जैसे वसंत का फूल कठोर मिट्टी से उग रहा हो।

जब एक तपती दोपहर में बूढ़े श्री मोरन के खलिहान में आग लग गई, तो गांव के लोग देखते रहे। कुछ लोगों ने सिर हिलाया, कुछ ने फुसफुसाते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से गेल का काम है। लेकिन कोई भी मदद के लिए आगे नहीं आया।

एली को छोड़कर कोई नहीं.

बिना किसी हिचकिचाहट के, वह धुएं में कूद पड़ा। उसने डरे हुए जानवरों को उनके बाड़ों से बाहर निकालने में मदद की, पानी मंगवाया और अपनी जैकेट से आग पर वार किया। मीरा, हालांकि डरी हुई थी, फिर भी उसके साथ हो गई। दोनों ने मिलकर आग से तब तक संघर्ष किया जब तक कि वे खांसते हुए और कालिख से लथपथ होकर, जो कुछ बचा था उसके नीचे गिर नहीं गए।

गांव में हलचल मच गई। एली के पिता उस रात उस पर चिल्लाए, इस बात से क्रोधित कि उसने मोरन की सहायता करके उनके नाम को बदनाम किया है। मीरा की माँ फूट-फूट कर रोई, अपनी बेटी से विनती की कि वह "गेल की चालों" से मूर्ख न बने, और नफरत की आग को अभी भी भड़का रही थी।

इसके बावजूद, कुछ तो बदल गया था। बात फैल गई। अगर एली गेल मोरन के मवेशियों को बचा सकता है, अगर मीरा मोरन गेल के साथ अपनी जान जोखिम में डाल सकती है - तो शायद यह झगड़ा पथर पर नहीं उकेरा गया था।

हर कोई खुश नहीं था। एक शाम, गेल कबीले के कुछ युवकों का समूह, पुरानी नफरत से प्रेरित होकर, नदी के किनारे एली से भिड़ गया। उन्होंने उस पर विश्वासघात और कायरता का आरोप लगाते हुए गालियाँ दीं। जब एली ने लड़ने से इनकार कर दिया, तो उन्होंने उसे पीटा, उसे घायल और घायल अवस्था में नरकटों के बीच छोड़ दिया।

मीरा ने उसे वहाँ पाया। वह उसके घाव धोते हुए रो पड़ी, उसके आँसू उसके चेहरे पर लगे खून में मिल गए। वह दर्द के बावजूद सिर्फ मुस्कुराता रहा।

"मैं उनसे नफरत नहीं करता," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "मुझे उन पर दया आती है। वे क्रोध के कैदी हैं।"

इसमें समय लगा - मौसम बदलते रहे, फसलें उगती और गिरती रहीं - लेकिन गांव के लोग जो कुछ भी देख रहे थे, उसे नकार नहीं सकते थे। एली और मीरा के बीच प्यार एक धीमे, जिद्दी पेड़ की तरह बढ़ता गया, जिसकी जड़ें कभी बंजर रही मिट्टी में गहराई तक धंसती चली गईं। उनकी दयालुता फैल गई, पुराने तौर-तरीकों के खिलाफ एक शांत विद्रोह। धीरे-धीरे, शिकायतें खत्म हो गईं। माफ़ी, अजीब और रुक-रुक कर, पेश की जाने लगी।

और जहां एक बार घृणा ने अंतहीन झगड़े को जन्म दिया था, वहीं प्रेम - धैर्यवान, निरंतर प्रेम - ने सभी अपराधों को ढक दिया, और एक गांव के टूटे हुए दिल को ठीक कर दिया, जैसा कि प्राचीन कहावत में कहा गया था: घृणा झगड़े को जन्म देती है, लेकिन प्रेम सभी अपराधों को ढक देता है (नीतिवचन 10:12)।